चीनी निर्यात के लिए एक माह की मोहलत

दस लाख टन में सिर्फ 3.56 लाख टन चीनी का निर्यात हो पाया अब तक

प्रेट्र • नई दिल्ली

केंद्रीय खाद्य मंत्रालय ने चीनी निर्यात के लिए आवेदन करने के मकसद से मिलों को एक माह का अतिरिक्त समय देने का फैसला किया है। सरकार ने चालू सीजन में 10 लाख टन चीनी निर्यात की अनुमति दी है। इसमें से अभी तक सिर्फ 3.56 लाख टन चीनी निर्यात के लिए रिलीज ऑर्डर जारी किए गए हैं।

एक सरकारी विज्ञप्ति के अनुसार सरकार ने उद्योग संगठन इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन (इस्मा) और नेशनल फेडरेशन ऑफ कोऑपरेटिव शुगर फैक्ट्रीज (एनएफसीएसएफ) के अनुरोध विचार करके तय किया है कि चीनी निर्यात के रिलीज ऑर्डर प्राप्त करने के लिए आवेदन करने का समय 30 दिन और बढ़ाया जाए। मिलें अपने स्टॉक से चीनी निर्यात के लिए एक्सपोर्ट रिलीज ऑर्डर हासिल करने के लिए 31 दिसंबर तक आवेदन कर सकती हैं। किसी दूसरी मिल या बाजार से चीनी खरीद करके निर्यात करने की योजना बना रही मिलें रिलीज ऑर्डर के लिए 15 फरवरी तक आवेदन कर सकती हैं।

इस्मा और एनएफसीएसएफ ने सरकार से निर्धारित कोटा की चीनी निर्यात करने के लिए समय बढ़ाने की मांग की थी। इन उद्योग संगठनों का कहना था कि वैश्विक स्तर पर चीनी की ज्यादा सप्लाई होने के कारण मांग काफी कमजोर है। इस वजह से चीनी निर्यात के रिलीज ऑर्डर लेने के लिए मिलें आवेदन नहीं कर पाईं। मिलें सरकार द्वारा रिलीज ऑर्डर के बिना चीनी का निर्यात नहीं कर सकती हैं। सरकार ने मौजूदा मार्केटिंग सीजन 2011-12 के दौरान ओपन जनरल लाइसेंस (ओजीएल) के तहत 10 लाख टन चीनी निर्यात की अनुमति दी है।

मिलों को रिलीज ऑर्डर के लिए मध्य जनवरी तक आवेदन करने को कहा गया था। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक अभी तक सरकार ने 356,237 टन चीनी निर्यात के परमिट जारी किए हैं। मिलों ने अभी तक कुल करीब 76 लाख चीनी का उत्पादन चालू सीजन में किया है। चालू सीजन पिछले अक्टूबर से शुरू हुआ था। पिछले सीजन की समान अवधि में 64.5 लाख टन चीनी का उत्पादन हुआ था। देश में चालू सीजन के दौरान करीब 250-260 लाख टन चीनी का उत्पादन होने का अनुमान है जबकि घरेलू मांग करीब 220 लाख टन रह सकती है।